

पशुओं में मधुमक्खी मोम के उपयोग

Dr. Anita Rathore

Assistant Professor, Department of Veterinary Pathology
CVAS, Navania, Vallabh Nagar, Udaipur (Raj.)

anni_vet11@rediffmail.com

doi.org/10.5281/ScienceWorld.21260687

परिचय

- मधुमक्खी मोम (Beeswax) एक प्राकृतिक मोम है, जिसका निर्माण कार्यकर्ता मधुमक्खियों द्वारा किया जाता है।
- इसका उपयोग प्राचीन काल से औषधियों, सौंदर्य प्रसाधनों तथा पशु चिकित्सा में किया जाता रहा है।
- इसमें एस्टर, फैटी एसिड तथा हाइड्रोकार्बन पाए जाते हैं।
- यह सुरक्षित, जैव-विघटनीय (Biodegradable) तथा पर्यावरण के अनुकूल होता है।

मधुमक्खी मोम के गुण

- प्राकृतिक एवं विषरहित (Non-toxic)
- जलरोधी (Water-resistant)
- त्वचा को मुलायम एवं नम बनाए रखने वाला
- घाव भरने में सहायक
- हल्के जीवाणुरोधी (Antibacterial) गुण
- लंबे समय तक सुरक्षित रहने वाला

घावों के उपचार में उपयोग

- घावों पर लगाई जाने वाली मलहम एवं क्रीम में इसका उपयोग किया जाता है।
- यह घाव को धूल, मिट्टी एवं संक्रमण से बचाता है।
- घाव भरने की प्रक्रिया में सहायक होता है।
- त्वचा की सूजन एवं जलन को कम करने में मदद करता है।

त्वचा की देखभाल में उपयोग

- त्वचा के सूखेपन एवं दरारों को कम करने में सहायक है।
- त्वचा को मुलायम एवं स्वस्थ बनाए रखता है।
- पशुओं की त्वचा संबंधी समस्याओं में उपयोगी है।



- विभिन्न प्रकार की त्वचा क्रीम एवं लोशन में इसका प्रयोग किया जाता है।

खुर (Hoof) की देखभाल में उपयोग

- घोड़े, गाय एवं अन्य पशुओं के खुरों की सुरक्षा के लिए इसका उपयोग किया जाता है।
- खुरों में दरारें पड़ने से बचाने में सहायक है।
- खुरों को मजबूत एवं लचीला बनाए रखने में मदद करता है।
- खुरों की नमी बनाए रखने में सहायक होता है।

थन एवं स्तन देखभाल में उपयोग

- दुग्ध पशुओं के थनों की देखभाल हेतु तैयार मलहमों में इसका उपयोग किया जाता है।
- थनों में होने वाली दरारों को रोकने में सहायक है।
- दुग्ध दोहन (Milking) के बाद त्वचा की सुरक्षा करता है।
- संक्रमण की संभावना को कम करने में सहायक हो सकता है।

पशु चिकित्सा औषधियों में उपयोग

- मलहम एवं क्रीम के आधार (Base) के रूप में इसका उपयोग किया जाता है।
- औषधियों को स्थिर रखने में सहायता करता है।
- दवाओं के नियंत्रित उत्सर्जन (Controlled Release) में मदद करता है।
- विभिन्न बाह्य उपयोग की औषधियों में एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में प्रयोग किया जाता है।

कीट एवं मक्खी नियंत्रण में उपयोग

- प्राकृतिक कीट-प्रतिरोधी (Insect-repellent) उत्पादों में इसका उपयोग किया जाता है।
- मक्खियों एवं अन्य कीटों से पशुओं की सुरक्षा में सहायक होता है।
- कीटों के कारण होने वाली त्वचा की जलन को कम करने में मदद करता है।

पट्टी एवं शल्य चिकित्सा में उपयोग

- घावों की पट्टियों को जलरोधी बनाने में इसका उपयोग किया जाता है।
- घाव को बाहरी संक्रमण से बचाने में सहायक होता है।
- शल्य चिकित्सा के बाद घावों की सुरक्षा में उपयोगी हो सकता है।

मधुमक्खी मोम के लाभ

- प्राकृतिक एवं पर्यावरण-अनुकूल
- पशुओं के लिए सुरक्षित
- घाव भरने में सहायक
- त्वचा एवं खुरों की सुरक्षा में उपयोगी
- कम लागत एवं आसानी से उपलब्ध
- औषधीय उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने में सहायक

सीमाएँ

- अत्यधिक तापमान में यह पिघल सकता है।
- गंभीर संक्रमणों में अकेले उपचार के रूप में पर्याप्त नहीं है।
- इसकी गुणवत्ता स्रोत के अनुसार भिन्न हो सकती है।

निष्कर्ष

मधुमक्खी मोम (Beeswax) पशु चिकित्सा एवं पशुपालन में उपयोग किया जाने वाला एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक पदार्थ है। घावों की देखभाल, त्वचा संरक्षण, खुरों की देखभाल तथा औषधीय



उत्पादों में इसके उपयोग के कारण यह पशु स्वास्थ्य प्रबंधन में उपयोगी है। प्राकृतिक, जैव-विघटनीय एवं अपेक्षाकृत किफायती होने के कारण पशु चिकित्सा संबंधी विभिन्न उत्पादों में इसके उपयोग की संभावनाएँ बढ़ रही हैं।

संदर्भ (References)

1. *Veterinary Pharmacology and Therapeutics*
2. *Textbook of Animal Husbandry*
3. *Veterinary Extension Education Notes*
4. Research articles on beeswax and its applications in veterinary medicine.

